AC – 20.04.2024
Item No. – 5.4 (N) Sem II (13a)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Syllabus for Basket of OE	
Board of Studies in _____HINDI	
UG First Year Programme	
Semester	**II**
Title of Paper	**Credits 2/ 4**
हिंदी ग़ज़ल	**2**
From the Academic Year	**2024-25**

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description the course :** **Including but Not limited to :**	**हिंदी ग़ज़ल** भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है। जब समाज इस साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति, अनुभव और परोपकार जुड़ा रहता है। ऐसे मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है। ग़ज़ल साहित्य की सबसे अधिक लोकप्रिय विधा है। साहित्य के अतिरिक्त सिनेमा में ग़ज़ल को विशेष स्थान प्राप्त है। कम शब्दों में धारदार अभिव्यक्ति ग़ज़ल की विशेषता है। इसमें जितनी संवेदना, भाव और सरलता है वो इसे अधिक सशक्त और महत्वदायी बनाती है। उच्च शिक्षा के दौरान ग़ज़ल के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं और विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनाने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।
2	**Vertical :**	Open Elective
3	**Type :**	Theory
4	**Credit**:	2 credits (1 credit = 15 Hours for Theory in a semester)
5	**Hours Allotted :**	30 Hours
6	**Marks Allotted**:	50 Marks

7	**Course Objectives**: (List some of the course objectives) 1. विद्यार्थियों को ग़ज़ल विधा की प्रचलित रचनाओं से परिचय कराना। विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य-बोध कराना। 2. हिंदी ग़ज़ल के आरंभ से लेकर अद्यतन ग़ज़ल की प्रवृत्तियों एवं विकास से अवगत कराना। 3. विद्यार्थियों को ग़ज़ल विधा के स्वरूपविवेचन-, विशेषताओं से परिचय कराना। 4. विद्यार्थियों मानवीय कर्तव्यों के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना, मानवीय संवेदनाओं का विकास करना। 5. विद्यार्थियों में नव-मूल्यों का बोध कराते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
8	**Course Outcomes**: (List some of the course outcomes) CO-1. विद्यार्थियों का भाषा और ग़ज़ल की विधा से परिचित होना और साहित्य की रचनात्मकता की ओर बढ़ना। CO-2. विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल, रचनात्मकता का संवर्धन होगा। CO-3. विद्यार्थियों में सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक मूल्यों को ग्रहण करना। CO-4. विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना। CO-5. विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से बेहतर नागरिक बनना।
9	**Modules**:-
	इकाई 1: व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	1. ग़ज़ल : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप 2. ग़ज़ल : उद्भव और विकास 3. ग़ज़ल : विशेषताएं
	इकाई 2: : व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 02
	ग़ज़लकार ग़ज़लें भारतेंदु हरिश्चंद्र - आ गई सर पर कज़ा लो सारा समाँ.... सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - किनारा वह हमसे किया जा रहे हैं ... दुष्यंत कुमार - हो गई पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए.... गोपालदास नीरज - अब तो मज़ब कोई ऐसा भी चलाया.... गिरिजा शरण अग्रवाल - रोकेंगे हादिसे मगर चलना न छोड़ना.... चंद्रसेन विराट - खींचकर मतलब निकाला जा रहा है.... हस्तीमल 'हस्ती' - दिल में जो मोहब्बत की रोशनी नहीं.... जहीर कुरैशी - वह हिम्मत करके पहले अपने अंदर..... अदम गोंडवी - तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम... राजेश रेड्डी - शाम को जिस वक्त खाली हाथ घर..... ज्ञान प्रकाश 'विवेक' - जब लगी भूख तो पाषाण चबाये उसने...

10	**पुस्तक विवरण -** **निर्धारित पाठ्य पुस्तक :** **(1समकालीन हिंदी ग़ज़ल : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई** अमन प्रकाशन, दिल्ली **संदर्भ ग्रंथ सूची –** 1. वीनस केसरी- ग़ज़ल की बाबत, रेखाता प्रकाशन, दिल्ली 2. डॉ. आज़म- ग़ज़ल की लय, रेखाता प्रकाशन, दिल्ली 3. डॉ. मधुकर खराटे- चंद्रसेन विराट की प्रतिनिधि गज़लें, विद्या प्रकाशन, कानपुर 4. डॉ. मधुकर खराटे- ग़ज़लकार ज़हीर कुरैशी की काव्य दृष्टि, विद्या प्रकाशन, कानपुर 5. डॉ. मधुकर खराटे- दुष्यंतोत्तर हिन्दी ग़ज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर 6. डॉ. मधुकर खराटे- हिन्दी ग़ज़ल और ग़ज़लकार, विद्या प्रकाशन, कानपुर 7. डॉ. मधुकर खराटे- हिन्दी ग़ज़ल के नवरत्न, विद्या प्रकाशन, कानपुर	
11	**Internal Continuous Assessment: 40%**	**External, Semester End Examination 60% Individual Passing in Internal and External Examination**
12	**Continuous Evaluation through:** **मूल्यांकन प्रारूप** ***आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक*** रचनात्मक कार्य, प्रकल्प इत्यादि- 10 अंक, कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता इत्यादि - 05 अंक अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 05 अंक कुलयोग -**20 अंक**	

13	**Format of Question Paper:** *बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक* *परीक्षा अवधि- 01 घंटा* *प्रश्न 1) पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ सहित व्याख्या)* *15 अंक* *प्रश्न2) शेष दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।* *15 अंक* कुलयोग = 30- अंक

Sign of the BOS Chairman **Name of the Chairman** **Name of the BOS**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Name of the Associate Dean** **Name of the Faculty**	**Sign of the Offg. Dean** **Name of the Offg. Dean** **Name of the Faculty**